

କିମ୍ବା :- **କର୍ମପଦ**

2. उद्यमपुर

Date: _____ / _____ / _____

Page No.: _____

- **उपनामः** - सैलानियों का राजा, झीलों की नगरी, राजस्थान का क्षेत्र, पूर्व का विनिस, फाउंटेन व माउंटेन का शहर।
- **स्थापना** :- महाराणा उद्यमसिंह ने 1559 में।
- सवाधिक ग्राम
- सवाधिक अनुसूचित जाति^(S.C.), सवाधिक बन जनजाति, सवाधिक शील
- अरावली पर्वतमाला का सवाधिक विस्तार
- विश्व की एकमात्र सौर ऊपरिये संचालित नाव फतेह सामर झील में
- दैशा का पहला हुमन इनाटोंभी पाठि लियों का गुडा नाम से
- सवाधिक बन सम्पदा वाला संभाग
- सवाधिक लिङांनुपात वाला संभाग
- सवाधिक शिशु लिङांनुपात वाला संभाग
- उद्यमपुर में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील जग्गसमन्द झील है
- सीसारभा बनोंसाथी अनुसंधान संस्थान → उद्यमपुर
- सवाधिक → लोह अयस्क, सीसा-जस्ता (जावर खान), पना युरेनियम, रॉक फस्फेट
- उद्यमपुर का हरा संगमरमर विश्व प्रसिद्ध है।
- राज० में सबसे आधिक वन्यजीव अम्बारठम उद्यमपुर में।
- राज० का पहला भूत्यम अम्बारठम
- सवाधिक आरक्षित बन उद्यमपुर में।
- साबरभती नदी का उद्गम उद्यमपुर से।
- दैशा लितेश्विणी सभा की स्थापना उद्यमपुर रिभासत में हुई थी।
- राज० में सवाधिक बांगोरीस संमग्र
- राज० में रैली ड्रेनिंग स्कूल उद्यमपुर में।
- राज० का पहला पौंड कॉलेज
- राज० का पहला (नियंत्रित का) डैंक्स चॉलेज
- राज० का एकमात्र डैमरी एवं खाद्य किस मण्डलियालम
- राजस्थान साहिल्य अकादमी का मुख्यालम उद्यमपुर में।
- पश्चिमी क्षेत्र सास्कृतिक केन्द्र का कामलिय उद्यमपुर में।
- राज० के मध्यम भूराप्प राजा भूपाल सिंह उद्यमपुर के भू

- राज० का एकमात्र सास-बहू का मन्दिर नागदा, उदयपुर में है।
- भारत का सबसे बड़ा रेलवे मॉडल कक्ष, उदयपुर में है।
- उदयपुर की भन्तीशमि राजस्थान की पहली महिला तेराऊ हैं जिसने इंगिलिस चैनल को तेर कर पार किया था।
- भारतीय तीरदांधी टीम के २०१०-१२ तक कोच रह चुके लिलारामजी का जन्म उदयपुर में हुआ (पहले राजस्थानी व पदमभूषी विजेता)
- राज० का पहला कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर में
- डबोरु, उदयपुर में देश का १६वाँ अतराष्ट्रीय हवाई अड्डा
- उदयपुर में राज्य का सबसे छोटा अम्बारण्य संजननगक अम्बारण्य स्थित है। (५.१९ वर्ग किमी)
- उदयपुर में भारतीय स्कूल संस्थान की स्थापना।
- उदयपुर जिले के जनजाति क्षेत्र में रेशम चीट पालन किया जाता है।
- ऋषभदेव मन्दिर व केसरिया नाम का मन्दिर → धुलेव, उदयपुर
- आहुनाड़ी (बैइचनदी) तथा वाठल नदी का उद्गम उदयपुर की जीणुका पहाड़ियों से।
- कृष्ण विलास भवन, उदयपुर में
- राज० में भौमिक अनुसंधान एवं संजनन केन्द्र, बलभन्जर, उदयपुर
- जरगा पर्वत, उदयपुर में, ऊँचाई :- १५३१ मी०
- राज० का उडवां जिला उदयपुर संभाण में है। → स्वतापगढ़ (२००४ ग्र०)
- महाराणा स्वताप का राज्याभिषेक १५६६ में जीगुन्दा में।
- भवित्यलाट वन अनुसंधान संस्थान, उदयपुर में।
- राज० में बायोडिझल प्लांट उदयपुर में है।
- राजस (राजस्थान जनजातिय क्षेत्रीय विकास संकारी संघ) का मुख्यालय उदयपुर में।
- उदयपुर की कविता बराला को भारतीय वामुसेना की पहली नैकीटर हीने का गौरव हास्त है।
- राज० की स्थानीय लौड़ अदालत की स्थापना उदयपुर में।
- राज० में डाकनिया स्थापना पर सर्विश्वम रोक उदयपुर में, स्वकंप सिंह द्वारा।

- जयसमन्द झील (कैबर झील) :- उदयपुर
 → निमणि :- मेवाड़ के महाराणा जगसिंह ने गोमती नदी पर।
 → विश्व की दूसरी सबसे बड़ी झील
 → राष्ट्र की कृत्रिम व सबसे बड़ी भीड़ पानी की झील।
 → * भारत की सबसे बड़ी कृत्रिम भीड़ पानी की झील गोविन्द सागर, भागड़ा है।
 → इस झील पर सात टापु हैं → सबसे बड़ा :- बाबा चा भागड़ा
 सबसे छोटा :- कैवारी
 → इसी झील के किनारे लड़ी बानी चा महल स्थित है।
- पिघोला झील :- उदयपुर
 → निमणि :- राणा लाखा के शासन चाल में एक बंजारी जारा।
 → इस झील के दोनों टापुओं पर जगनिवास व जंगमंदीर स्थित हैं।
 → किनारे पर नटी चा चबूतरा व सिरी पैलेस स्थित हैं।
- फतहसागर झील :- उदयपुर
 → निमणि → महाराणा जयसिंह ने
 → जीरो इंद्यार :- महाराणा फतेह सिंह ने
 → इसे क्लॉट बॉय भी कहते हैं।
 → इस झील के एक टापु पर 'बैहक पाट' तथा दूसरे पर सौर वैद्यकाला स्थित हैं।
 → इसी झील के नीचे सहेलियों की बाड़ी नामक उद्यान है।
- लेक पैलेस (जगनिवास) :- उदयपुर
 → निमणि → महाराणा जगतसिंह द्वितीय ने।
- युलाब बाज़ा (सज्जन निवास उद्यान) :- उदयपुर
- हिन्दुस्तान जिंक प्लॉट :- उदयपुर
- उदयपुर की सुखखानी :-
 खान : उत्पादित खनिय
 * → जावर खान : चांदी उत्पादन
 .. → कैवारी : सीखा - जस्ताजलाने का संयंत्र व खान
 .. → नाशरा की पौल : लौह अयस्क
 .. → चम्पागुड़ा, चिन्हारबाड़ी : बैरीलियन

- * फुलवारी की नाल अध्यारण्य :- उदयपुर
 - इस अध्यारण्य में बर्षभर फुल यिलते हैं। इसलिए इसे फुलों की धाटी भी कहा जाता है।
- जग्यसमन्द अध्यारण्य :- उदयपुर
 - इस अध्यारण्य को बघीरों व चक्कवा-चक्कवी पक्षी के लिए जाना जाता है।
- कुम्भलगड़ अध्यारण्य :-

 - यह अध्यारण्य उदयपुर (स्वर्गिक), राजसमन्द व पाली जिलों में विस्तृत है।
 - इसे श्रेडियों की सूजनन स्थली के कप में जमा जाता है।
 - जंगली मुर्गी व चौमिंगा हिरण (घटेल) भी इसी अध्यारण्य में पाए जाते हैं।

- जनाना महल :- उदयपुर, महाराणा चार्सिंह द्वारा
- जगदीश मंदिर :- उदयपुर
 - निमग्न महाराणा जगतसिंह-१ द्वारा।
 - इसे सपनो से बना मंदिर भी ममा जाता है।
- आहड़ सम्पत्ता :- उदयपुर
 - आहड़ नदी (बैड़व नदी) के तट पर।
 - इसे धूलकोट सम्पत्ता भी कहा जाता है।
 - खोजन्तरी :- सौ. छ्यड़ी सांकलिया
 - इस सम्पत्ता में तबांगलानी की भट्टियां मिलती हैं।
- सौई बोंध परियोजना :- उदयपुर में जवाई नदी पर।
 - जवाई नदी को पाइचवी राजस्थान की गंगा कहा जाता है।
- गिरवा :- उदयपुर में तक्तरीनुमा आटूतीकों की पहाड़ियों की श्रवंला को स्थानीय भाषा में गिरवा कहते हैं।
- भौराठ का पठार :- राज्य का तीसरा सबसे बड़ा पठार भौराठ का पठार उदयपुर में स्थित है।
- उदयपुर झौली :- साहिबढ़ीन व मनोहर उदयपुर झौली के चित्रकार थे। महाराणा जगमसिंह का शासन काल में वाइ चित्रकला का स्वर्णगिल माना जाता है।

- देवास सुरंग ३- उदयपुर में स्थित देवास सुरंग राजस्थान की सर्वोच्च बड़ी सुरंग है।
- भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर में स्थित है।
- राजस्थान साहित्य अकादमी ४- उदयपुर
 → इस संस्था द्वारा 'मधुभती' पत्रिका सकाशित की जाती है।
 → 'मीरा पुरस्कार' इस संस्था का सर्वोच्च पुरस्कार है।
- जगत ०- आमिना देवी का मन्दिर जिसे बैवाइ का खजुराहो कहा जाता है।

